भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
Indian Council of Agricultural Research
(Ministry of Agriculture and Farmers Welfare)

भाकृअनुप-आईआईएसडब्ल्यूसी, देहरादून द्वारा 'जलागम क्षेत्र के विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन हेतु क्षेत्र सर्वेक्षण, नियोजन एवं कार्य प्रारूप' पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

24 मई, 2023, देहरादून

भाकृअनुप-भारतीय मृदा एवं जल संरक्षण संस्थान (आईआईएसडब्ल्यूसी), देहरादून में "जलागम क्षेत्र के विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन हेतु क्षेत्र सर्वेक्षण, नियोजन एवं कार्य प्रारूप" विषय पर तीन दिवसीय (22- 24 मई) प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस प्रशिक्षण के समापन समारोह के दौरान मुख्य अतिथि, श्री श्रीहरि प्रताप शाही ने समस्त अधिकारियों को बधाई दी एवं प्रशिक्षण से प्राप्त ज्ञान को अपने कार्यक्षेत्र मे उपयोग करने के लिये प्रोत्साहित किया।

डॉ. एम. मधु, संस्थान के निदेशक ने संबोधन में समस्त प्रतिभागियों से अनुरोध किया गया कि प्रशिक्षण में सीखे गए ज्ञान व कौशल का वो अपने क्षेत्रों में उपयोग करें तथा अपने क्षेत्र के अन्य अधिकारियों के साथ भी साझा करें। उन्होंने कहा कि देश में प्राकृतिक संसाधन के संरक्षण के प्रति आवश्यक कार्य को निरंतर आगे बढ़ाने की जरूरत है जिससे खाद्य सुरक्षा को टिकाऊ बनाया जा सके साथ ही समस्त देशवासियों के लिए इसकी उपलब्धता सुनिश्चित किया जा सके।

इसकी विषय वस्तु में, परियोजना प्रतिवेदन हेतु क्षेत्र सर्वेक्षण, नियोजन एवं कार्य प्रारूप, उपजाऊ एवं बंजर भूमि के लिये तकनीकी उपाय, वैकल्पिक भू-उपयोग तकनीकों की जानकारी, प्राकृतिक संसाधन संरक्षण के वानस्पतिक उपाय, वर्षा जल संरक्षण, संसाधन संरक्षण हेतु भूजल संवर्धन एवं प्रबंधन आदि विषयों को शामिल करते हुए प्रतिभागियों के ज्ञान व कौशल को समृद्ध करने का प्रयास था। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में राज्यस्तरीय नोडल एजेंसी, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना 2.0 - जलागम विकास घटक, परती भूमि विकास विभाग, लखनऊ, उत्तर प्रदेश के 80 अधिकारियों ने उपस्थिति दर्ज कराई।

समस्त प्रतिभागियों को मुख्य अतिथि एवं डॉ. एम. मधु, निदेशक द्वारा प्रमाण पत्र वितरित किए गए। संस्थान के मानव संसाधन विकास एवं सामाजिक विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित किए गए कार्यक्रम का निर्देशन विभाग के विभागाध्यक्ष, डॉ. डी.वी. सिंह द्वारा किया गया।

कार्यक्रम का समन्वयन, संस्थान के वैज्ञानिक, डॉ. लेख चंद, डॉ. इंदु रावत, एवं डॉ. अभिमन्यु झाझड़िया द्वारा किया गया।

इस कार्यक्रम में भूमि संरक्षक अधिकारी, अवर अभियंता, आदि ने भी शिरकत की।

(स्रोतः भाकृअनुप-भारतीय मृदा एवं जल संरक्षण संस्थान, देहरादून)